यूएई-भारत सीईपीए परिषद ने आईआईटी दिल्ली के एफआईटीटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, इससे भारतीय स्टार्ट-अप्स को नई वैश्विक दिशा मिलेगी

नई दिल्ली, 4 अगस्त 2025: स्टार्ट-अप सीरीज रोड शो के तहत, यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) के उद्योग इंटरफेस संगठन, फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) के साथ साझेदारी की। इस साझेदारी के तहत भारत के अगली पीढ़ी के स्टार्ट-अप के लिए वैश्विक अवसरों को गति देने हेतु एक सहभागिता सत्र का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम आईआईटी दिल्ली परिसर में आयोजित किया गया, जिसे भारत के नवाचार इकोसिस्टम का आधार माना जाता है। अपनी शोध-आधारित उद्यमशीलता संस्कृति, मज़बूत उद्योग संबंधों और विश्व-उन्मुख स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के साथ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली अंतर्राष्ट्रीयकरण और सहयोग पर चर्चा के लिए एक स्वाभाविक मंच के रूप में कार्य करता है।

इस सत्र की शुरुआत एफआईटीटी के प्रबंध निदेशक डॉ. निखिल अग्रवाल के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने मुख्य भाषण दिया। यूएई-भारत सीईपीए परिषद के निदेशक श्री अहमद अलजनेबी ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। सत्र में उपस्थित लोगों को आधिकारिक यूएई-भारत स्टार्ट-अप सीरीज़ का ट्रेलर दिखाया गया, जिसमें कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं, चयन प्रक्रिया और विस्तार योजना पर प्रकाश डाला गया। ट्रेलर दिखाए जाने के बाद रोचक परिचर्चा हुई, जिसमें श्री अलजनेबी ने छात्रों और संस्थापकों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए, जिनमें क्षेत्र-वार प्राथमिकताएं, निवेशकों की तत्परता, कार्यक्रम की समय-सीमा और सीमा-पार सहायता तंत्र जैसे विषय शामिल थे।

सत्र का समापन यूआईसीसी और एफआईटीटी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के साथ हुआ। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भारतीय स्टार्ट-अप्स के लिए एक लॉन्चपैड स्थापित करना है ताकि वे सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज़ के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात के मजबूत नवाचार इकोसिस्टम से जुड़ सकें। सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज़ एक प्रमुख पहल है जो वित्तपोषण, मार्गदर्शन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के अवसरों तक पहुंच प्रदान करती है।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, यूएई-भारत सीईपीए परिषद के निदेशक श्री अहमद अलजनेबी ने आईआईटी दिल्ली के साथ साझेदारी के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा,

"एफआईटीटी ने अनुसंधान को वास्तविक समाधानों में बदलने और अगली पीढ़ी के अन्वेषकों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस साझेदारी के माध्यम से, हमें उन महत्वाकांक्षी संस्थापकों का समर्थन करने पर गर्व है जो वैश्विक विकास के लिए यूएई को एक लॉन्चपैड के रूप में देख रहे हैं। यह दोनों देशों के बीच उद्यमशीलता के संबंध को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

एफआईटीटी के प्रबंध निदेशक डॉ. निखिल अग्रवाल ने इस साझेदारी पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "यह साझेदारी आईआईटी दिल्ली के जीवंत स्टार्ट-अप नेटवर्क को सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज़ जैसे वैश्विक मंचों से जोड़ने का एक सुनहरा अवसर है। यह सीरीज भारतीय संस्थापकों को संयुक्त अरब अमीरात जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सफल होने के लिए आवश्यक अनुभव, मार्गदर्शन और वित्तपोषण के अवसर प्रदान करती है।"

यह कार्यक्रम आईआईटी दिल्ली रिसर्च एंड इनोवेशन पार्क में एक इंटरैक्टिव वॉक-थ्रू और नेटवर्किंग सत्र के साथ संपन्न हुआ। इसमें भाग लेने वाले स्टार्ट-अप्स को अपने विचार साझा करने और प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिला।

सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज के लिए अभी भी आवेदन कर सकते हैं। स्टार्ट-अप द्वारा अधिक रुचि दिखाए जाने के कारण, आवेदन की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है।

आवेदन करें: https://start-upseries.cepacouncil.com

मीडिया से जुड़ी जानकारी या अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
info@cepacouncil.com

यूएई-भारत सीईपीए परिषद के बारे में

यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) यूएई-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत व्यापार, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक समर्पित द्विपक्षीय मंच है। यह साझे आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के व्यवसायों, सरकारों और संस्थानों के बीच रणनीतिक सहयोग की सुविधा प्रदान करती है।

यूएई-भारत सीईपीए परिषद को फॉलो करें:

- LinkedIn
- Instagram
- X (formerly Twitter)
- YouTube

एफआईटीटी, आईआईटी दिल्ली के बारे में

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली का उद्योग इंटरफ़ेस और नवाचार शाखा है। एफआईटीटी विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण, उद्यमशीलता के विकास और रणनीतिक साझेदारियों को सक्षम बनाता है। अनुसंधान को नवोन्मेषी समाधानों में बदलने पर केंद्रित, एफआईटीटी भारत के डीप-टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम को आकार देने और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं वाले उद्यमों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।